विभिन्न आपदाओं से सम्बन्धित सुरक्षात्मक उपायों का संकलन

बाढ़ सुरक्षा उपाय

घर छोड़ने की सलाह दिये जाने पर क्या करें ?

- ❖ समुदाय द्वारा पूर्व में बनायी गयी कार्य योजना के अनुरूप कार्य करें।
- ❖ आपकी बहुमूल्य वस्तुओं, अभिलेखों व अन्य को इकट्ठा कर सुरक्षित स्थान पर रखे।
- ❖ फर्नीचर व अन्य निजी वस्तुओं को बाढ़ से संभावित स्तर से ऊपर रखे।
- ❖ रसोई गैस, बिजली व पानी की आपूर्ति बन्द कर दें।
- ❖ घर के सभी दरवाजे व खिड़कियाँ मजबूती से बन्द कर दें।
- ❖ समस्त विद्युतीय उपकरणों को बाढ़ से संभावित स्तर से ऊपर सुरक्षित स्थान पर रखें।
- ❖ रेफ्रीजरेटर, फ्रीजर खाली कर दें तथा बिजली कनेक्शन अलग कर दें।
- ❖ दरवाजों पर ताले लगायें।
- ❖ निकासी के लिये सुझाये गये सुरक्षित मार्ग का उपयोग करते हुए ऊँचे स्थान पर जायें।
- ❖ आपातकालीन वस्तुयें साथ रखें।

आपातकालीन वस्तुयें :–

- ❖ बैटरी चालित छोटा रेडियो एवं टार्च एवं बैटरी
- ❖ मोमबत्ती व जलरोधी दिया सलाई
- ❖ पीने का पानी एवं खाद्य सामग्री
- ❖ सर्दी, खाँसी, पेचिस, सिरदर्द व बुखार की आम दवायें।
- ❖ मजबूत जूते एवं सम्भव हो तो रबर के दस्ताने
- ❖ अभिलेखों, बहुमूल्य वस्तुएँ व कपड़ों को सुरक्षित रखने के लिए जलरोधी थैला।
- ❖ प्लास्टिक की बाल्टी या कैन जब साफ पानी न मिल सके।
- ❖ आपातकालीन सम्पर्कों के दूरभाष व पते।
- ❖ बर्फ का पिघलना व भारी बरसात और नदी का प्रोपर ड्रिनेज सिस्टम न होने से बाढ़ आती है।
- ❖ भारत में 40 मिलियन हेक्टेयर जमीन बाढ़ से प्रभावित हर वर्ष होती है।
- ❖ बाढ़ डैम के टूटने तथा साइक्लोन के कारण भी आ सकती है।
- ❖ अरवन एरिया में अपर्याप्त निकासी व्यवस्था के अभाव में फ्लेश फल्ड आता है।

जलधारा के जल संग्रहण क्षेत्र में होने वाली भारी या लम्बे समय तक होने वाली वर्षा के कारण नदी नालों या अन्य जल क्षेत्रों के प्रवाह में निश्चित समयावधि में होने वाली वृद्धि या पानी के इन जलधाराओं की सीमा के बाहर निकल जाने से उत्पन्न स्थिति को बाढ़ कहते हैं।

बाढ़ से पूर्व तैयारी :–

- सुनिश्ति करें कि बाढ़ सम्भावित क्षेत्रों में निवास कर रहें समुदायों के साथ–साथ आपके परिवार के सदस्य बाढ़ के खतरों को जानते हैं।
- अपने क्षेत्र में पूर्व में आयी बाढ़ सम्बन्धी जानकारियाँ एकत्र करें तथा ऊँचे स्थानों की जानकारी रखें।

अत्यधिक वर्षा या लम्बे समय तक वर्षा होने की स्थिति में स्थानीय प्रसाधन एवं सूचना माध्यमों द्वारा प्रसारित की जा रही चेतावनियों को ध्यानपूर्वक सुनें तथा उसका अनुपालन करें।

बाढ़ सुरक्षा से सम्बन्धित आवश्यक सामान को अपने पास रखें।

समुदाय के अन्य सदस्यों के साथ बाढ़ से उत्पन्न हो सकने वाली स्थिति के विषय में चर्चा करें।

सामान्य परिस्थितियों में बाढ़ से प्रभावित हो सकने वाले क्षेत्रों को चिन्हित करें।

बाढ़ की स्थिति में निकासी के लिये पूर्व में निश्चित योजना का बनाया जाना आवश्यक है। निकासी की स्थिति उत्पन्न होने पर परिवार के प्रत्येक सदस्य के लिये पूर्व में निश्चित उत्तरदायित्वों व निर्देशों का होना आवश्यक है।

बाढ़ के दौरान क्या करें ?

- बाढ़ के पानी के सम्पर्क में आयी खाद्य सामग्रियों का उपयोग न करें।
- बाहरी क्षेत्रों से प्राप्त व खराब हो गये भोजन का प्रयोग न करें, इसमें विकसित हो रहे जीवाणु आपको बीमार कर सकते हैं।
- मरे हुए पशु पक्षियों के माँस को भोजन के रूप में उपयोग न करें। सम्भव है कि यह पशु–पक्षी किसी बीमारी के कारण मरे हों।
- साफ पानी की आपूर्त्ति प्राप्त होने तक बरसात का पानी एकत्र करें और उबाल कर पियें।
- आपैचारिक रूप से सुरक्षित घोषित किये जाने तक कुओं का पानी न पियें।
- बच्चों का ध्यान रखें। उन्हें पानी में खेलने या तैरने न दें।
- विषैले प्राणियों साँप बिच्छू आदि के प्रति सचेत रहें। सूखे एवं सुरक्षित स्थान की खोज में यह अपने समीप आ सकते हैं।

- ❖ पैदल होने पर पानी के बीच से कभी न जायें और नजदीक ऊँचे स्थान में आश्रय लें ।
- ❖ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में नदी के तटों से दूर रहें ।
- ❖ बाढ़ से कमजोर हुए तट प्रायः धँस जाते हैं।
- ❖ स्थानीय समाचार प्रसारणों के सम्पर्क में रहें और प्रसारित की जा रही चेतावनियों व सलाहों का अनुसरण करें ।
- ❖ बाढ़ के पानी के बीच फँच जाने पर वाहन को छोड़ दें व ऊँचे स्थान पर शरण लें ।
- ❖ बाढ़ का खतरा समाप्त होने तक प्रशासन, सामुदायिक नेतृत्व व समाज के साथ विचार विमर्श करते रहें ।

बाढ़ के बाद क्या करें ?

याद रहे आपका घर बाढ़ से प्रभावित हुआ था। बाढ़ का पानी कम होने के बाद भी आपको कई खतरे से सावधान रहना आवश्यक है अतः निम्न बातों का ध्यान रखें :–

- ❖ अपने वापस लौटने के निर्णय के सम्बधी सूचना अपने स्थानीय नेतृत्व व पड़ोसी को दें और अन्तिम निर्णय लेने से पहले विचार विमर्श करें ।
- ❖ कई सड़के अभी भी अवरूद्ध हो सकती है और कइयों में जलभराव की समस्या हो सकती है। चेतावनी सूचक चिन्हों को ध्यान में रखकर मार्ग का उपयोग करें ।
- ❖ समाचार प्रसारणों के माध्यमों से ताजा स्थिति से स्वयं को अवगत रखें । फिर से बाढ़ या त्वरित बाढ़ की सम्भावना हो सकती है।
- ❖ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भ्रमण न करें । बाढ़ के कारण आपकी जानी–पहचानी जगह में टूट–फूट से परिवर्तन हो सकता है।
- ❖ बाढ़ द्वारा पीछे छोड़े गये मलवे में खतरनाक जीव शरण ले सकते हैं या धारधार नुकीली वस्तुओं से चोट लग सकती है।
- ❖ सोने के लिये मच्छरदानी का प्रयोग करें ।
- ❖ नदी के किनारों, भूस्खलन, सम्भावित क्षेत्रों व सुरक्षा की दृष्टि से खाली कराये गये क्षेत्रों से दूर रहें ।
- ❖ जब तक बाढ़ प्रभावित घरों का निरीक्षण बड़ों द्वारा न किया जाये तब तक बच्चों का प्रवेश न करने दें ।

बाढ़ घोर **संकट लाता है और जटिल समस्या** उत्पन्न करता है। बाढ़ में फँसे लागों को बचाने के **लिए व उन तक खाद्य सामग्री व चिकित्सा** सामग्री पहुंचाने के लिए अधिक संख्या में नाव **की जरूरत पड़ती है। यदि** नाव न मिले तो लोकल उपलब्ध सामान से इम्प्रोवाइज राफ्ट **बनाये जा सकते हैं ।**

1. **टिन राफ्ट :– यह टिन एवं बम्बू** से जरूरत के मुताबिक बनाया गया राफ्ट **है। इसमें बाढ़ के दौरान** सुरक्षित जगह जाया जा सकता है।
2. **चारपाई राफ्ट** :– यह चारपाई व त्रिपाल से बनावटी तौरपर बनाया गया **राफ्ट है जिससे बाढ़** के दौरान बचा जा सकता है।
3. **बम्बू राफ्ट** :– यह बम्बू का रस्सी से बाँध कर बनावटी तौर पर बनाया राफ्ट **है जिससे बाढ़** के दौरान बचा जा सकता है।
4. वैरल राफ्ट :– यह एक या दो वैरल का बम्बू से बाँध कर बनावटी तौर पर बनाया गया राफ्ट है जिससे बाढ़ के दौरान बचा जा सकता है।
5. बनाया ट्री राफ्ट :– यह केले के पेड़ के तने से बनावटी तौर पर बनाया गया राफ्ट है जिससे बाढ़ के दौरान बच कर सुरक्षित स्थान पर जाया जा सकता है।
6. ट्यूब राफ्ट :– यह एक ट्यूब का हवा से भर कर बनाया गया राफ्ट है जिसकी सहायता से बचकर सुरक्षित स्थान तक पहुँचा जा सकता है।
7. वाटर बोतल राफ्ट :– यह वाटर बोतलों से बनाया गया राफ्ट है जिससे एक व्यक्ति बाढ़ के दौरान तैरकर सुरक्षित जगह जा सकता है।
8. इम्प्रोवाइज लाइफ जैकिट :– यह बनावटी तौर पर कपड़े की जैकिट व थर्मोकोल से बनी जैकिट है जिससे एक व्यक्ति तैर कर बाढ़ के दौरान सुरक्षित जगह जा सकता है। इसके अलावा जैकिट न होने पर थर्मोकोल की सीट को शरीर के अगले व पिछले भाग पर बाँधकर भी बाढ़ के दौरान तैर कर सुरक्षित जगह पहुँचा जा सकता है।

पानी में डूबे व्यक्ति की सहायता करते समय ध्यान की बातें :–

- ✓ पानी में डूबे रहे व्यक्ति के ज्यादा पास न जायें ।
- ✓ डूब रहे व्यक्ति को रस्सी, लकड़ी आदि पकड़ने का दें ।
- ✓ प्रशिक्षित होने पर ही तैर कर डूबते, व्यक्ति को बचायें ।
- ✓ पीड़ित व्यक्ति के मुँह एवं स्वाँस नली को अवरोध मुक्त करें ।
- ✓ पीड़ित व्यक्ति को कृत्रिम साँस दें ।
- ✓ पीड़ित व्यक्ति का रिकवरी पॉजीशन में रखें ।
- ✓ गीले कपड़े निकल दें ।
- ✓ पीड़ित को गर्म रखें ।
- ✓ अस्पताल भेजने की व्यवस्था करें ।